http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

AE-630

M.A. (Previous)
Term End Examination, 2016-17

HINDI

Compulsory

Paper - III

आधुनिक गद्य साहित्य

Time : Three Hours] [*Maximum Marks* : 100
[*Minimum Pass Marks* : 36

नोट : **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×3

(क) ''मानव कब दानव से भी दुर्दान्त पशु से भी बर्बर और पत्थर से भी कठोर-करुणा के लिए निरवकाश हृदय वाला हो जाएगा, नहीं जाना जा सकता। अतीत सुखों के लिए सोच क्यों, अनागत भविष्य के लिए भय क्यों और

http://www.onlineBU.com

वर्तमान को मैं अपने अनुकूल बना ही लूँगा, फिर चिन्ता किस बात की।''

अथवा

''राजनीति साहित्य नहीं है। उसमें एक-एक क्षण का महत्व है। कभी एक क्षण के लिए भी चूक जाए, तो बहुत बड़ा अनिष्ट हो सकता है। राजनीति जीवन की धुरी में बने रहने के लिए व्यक्ति को बहुत जागरुक रहना पड़ता है। .... साहित्य उनके जीवन का पहला चरण था। अब वे दूसरे चरण में पहुँच चुके हैं। मेरा अधिक समय यहीं आयास में बीतता है कि उनका बढ़ा हुआ चरण पीछे न हट जाय। .... बहुत परिश्रम पड़ता है इसमें।''

(ख) ''धन को आप किसी अन्याय से बराबर फैला सकते हैं। लेकिन बुद्धि को, चरित्र को, रूप को, प्रतिमा को और बल को बराबर फैलाना तो आपकी शक्ति के बाहर है। छोटे-बड़े का भेद केवल धन से तो नहीं होता, मैंने बड़े-बड़े धन-कुबेरों को भिक्षुकों के सामने घुटने टेकते देखा है और आपने भी देखा होगा। रूप की चौखट पर बड़े-बड़े महीप नाक रगड़ते हैं। क्या यह सामाजिक विषमता नहीं हैं ?''

अथवा

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

''एक जाति दूसरे को म्लेच्छ समझती है, एक मनुष्य दूसरे को नीच समझता है, इससे बढ़कर अशान्ति का कारण क्या हो सकता है, भट्ट तुम्हीं ऐसे हो जो नर-लोक से किन्नर-लोक तक व्याप्त एक ही रागात्मक हृदय, एक ही करुणायित चित्त को हृदयंगम करा सकते हो।''

(ग) ''संसार में प्रत्येक प्राणी के जीवन का उद्देश्य दुख की निवृत्ति और सुख की प्राप्ति है। अत: सबके उद्देश्य को एक साथ जोड़ने से संसार का उद्देश्य सुख की स्थापना और दुख का निराकरण हुआ। अत: जिन कर्मों से संसार के इस उद्देश्य के साधन ही पूर्ण हो, वे उत्तम हैं। प्रत्येक प्राणी के लिए उससे भिन्न प्राणी संसार है।''

अथवा

''जीवन के सामंजस्य बनाए रखने वाले उपकरण तो अपनी सीमा निर्धारित रखते हैं। परन्तु उनकी आवश्यकता और कल्पना भावना के साथ बढ़ती-घटती रहती है।''

2. ''प्रसाद जी का 'चंन्द्रगुप्त' चाणक्य के हाथ की कठपुतली नहीं, वह स्वतंत्र सत्ता रखता है।'' नाटक से उदाहरण देकर इस कथन की सत्यता प्रतिपादित कीजिए। 15

अथवा

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

नाट्य रचना के तत्वों के आधार पर 'आषाढ़ का एक दिन' नाटक की समीक्षा कीजिए।

3. "यथार्थ और आदर्श का समन्वय प्रेमचन्द की उपन्यास कला की विशेषता है।" यह कथन 'गोदान' में चरितार्थ होता है। तर्क संगत उत्तर दीजिए। 15

अथवा

उपन्यास के तत्वों के आधार पर 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की विवेचना कीजिए।

4. किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 5×4

(क) प्रसाद की नाट्य रचना पर सारगर्भित लेख लिखिए।

(ख) अभिनेयता की दृष्टि से 'आषाढ़ का एक दिन' की समीक्षा कीजिए।

(ग) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालिए।

(घ) सामाजिक जीवन में करुणा का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए।

(ङ) 'भारतीय साहित्य की प्राणशक्ति' का सारांश लिखिए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(च) निबंधकार विद्यानिवास मिश्र के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं **बीस** प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1×20

(क) 'बाणभट्ट की आत्मकथा' में भट्टिनी का वास्तविक नाम क्या है?

(ख) 'कादम्बरी' के लेखक का नाम बताइए।

(ग) 'आधे-अधूरे' नाटक के लेखक का नाम लिखिए।

(घ) 'गोदान' उपन्यास के नायक का नाम लिखिए।

(ङ) पाठ्यक्रम में निर्मल वर्मा की कौन-सी कहानी है? नाम लिखिए।

(च) 'उसने कहा था' कहानी किस प्रकार की कहानी है?

(छ) 'पुरस्कार' कहानी की नायिका का नाम लिखिए।

(ज) आधुनिक गद्य के पुरोधा किन्हें कहा जाता है?

(झ) कुबेरनाथ राय जी का जन्म स्थान का नाम लिखिए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(ञ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी में बड़े कौन थे?

(ट) 'राक्षस' किस नाटक का पात्र है?

(ठ) मालविका किस देश की राजकुमारी थी?

(ड) प्रेमचन्द के प्रथम उपन्यास का नाम बताइए।

(ढ) होरी के पुत्र का नाम बताइए।

(ण) 'मंत्र' कहानी के लेखक का नाम लिखिए।

(त) भोलाराम कहाँ का रहने वाला था, स्थान का नाम लिखिए।

(थ) भोलाराम की आत्मा मृत्युपरान्त कहाँ अटक गई थी?

(द) मधुलिका किस कहानी की पात्र है?

(ध) पाठ्यपुस्तक में आचार्य नंद दुलारे वाजपेई की रचना का नाम लिखिए।

(न) 'उसने कहा था' कहानी में यह कथन किसने कहा था?

(प) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी जी के जन्मस्थान का नाम लिखिए।

http://www.onlineBU.com

http://www.onlineBU.com

(फ) पं० महावीर प्रसाद द्विवेदी जी ने किस पत्रिका का प्रकाशन किया था ?

(ब) मुन्शी प्रेमचन्द ने किस सन में प्रगतिलेखक संघ की स्थापना की थी ?

———

http://www.onlineBU.com